एक नजर में

एआई+ नोवापॉड्स गो और नोवा वॉच एक्टिव

इंदौर. एआई+ ने दो ऐसे प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं जो एक सीधी बात कहते हैं कि अच्छी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च करना जरूरी नहीं है. नोवापॉड्स गो की कीमत 699 रुपए रखी गई है. इसमें ब्लूटूथ 5.4, साफ कॉलिंग के लिए डुअल माइक्रोफोन, आईपीएक्स4 वाटर रेसिस्टेंस और कुल 24 घंटे का बैटरी बैकअप मिलता है. वहीं नोवा वॉच एक्टिव की कीमत 2,499 रुपए है और अपनी कैटेगरी में यह भी काफी फीचर्स से भरपूर मानी जा रही है. इसमें 1.73 इंच का अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें ऑलवेज-ऑन मोड भी मिलता है. इसके साथ लगातार हार्ट रेट और एसपी02 मॉनिटरिंग, स्ट्रेस ट्रैकिंग, स्लीप एनालिसिस, महिलाओं की हेल्थ से जुड़े फीचर्स, ब्लूटूथ कॉलिंग और एआई वॉइस असिस्टेंट भी दिए गए हैं. एआई+ स्मार्टफोन के फाउंडर माधव शेठ के सपोर्ट और करीब दस लाख तेजी से बढ़ते यूजर्स के साथ ये दोनों प्रोडक्ट यह दिखाते हैं कि कभी कभी सबसे संतोषजनक खरीद वही होती है जिसमें उम्मीद से ज्यादा मिल जाए.

सूर्यकुमार यादव व तिलक वर्मा ने टूजोन सोलर में इन्वेस्टमेंट किया

इंदौर. सनटेक एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत काम करने वाली टूजोन सोलर ने भारत की आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली टीम के कैप्टन सूर्यकुमार यादव और उसी वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के मेंबर तिलक वर्मा से स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट की घोषणा की है. यह इन्वेस्टमेंट भारत के तेज़ी से बढ़ते रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में कंपनी की ग्रोथ को और मज़बूत करेगा. टूजोन सोलर के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर, चारुगुंडला भवानी सुरेश ने कन्फर्म किया कि दोनों प्लेयर्स ने कंपनी में इन्वेस्ट किया है, जो ऑर्गनाइज़ेशन के लॉन्ग-टर्म विज़न और भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांज़िशन में इसके कंट्रीब्यूशन पर उनके कॉन्फिडेंस को दिखाता है. चारुगुंडला भवानी सुरेश ने कहा टूजोन ने सोलर एनर्जी इंडस्ट्री में 17 साल से ज़्यादा पूरे कर लिए हैं, और इस पूरे सफ़र में हमारा मुख्य फ़ोकस भरोसेमंद सोलर सॉल्यूशन देने पर रहा है, साथ ही इस सेक्टर में सबसे मज़बूत आफ़्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है.

एक्सिस बैंक ने स्प्लैश 2025 के विजेताओं की घोषणा

इंदौर. एक्सिस बैंक ने बच्चों के लिए आयोजित आर्ट, क्राफ्ट और लिटरेचर प्रतियोगिता 'स्प्लैश 2025' के विजेताओं की घोषणा की है. यह प्रतियोगिता 7 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए आयोजित की जाती है. यह पहल देशभर के बच्चों को अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता को व्यक्त करने का मंच प्रदान करती है. प्रतियोगिता में छह विजेताओं और छह उपविजेताओं को क्रमशः 1 लाख रुपये और 50 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा. एक्सिस बैंक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अनूप मनोहर ने कहा स्प्लैश हमेशा से केवल एक प्रतियोगिता नहीं रहा, बल्कि यह कल्पनाशीलता, मौलिकता और आत्म-अभिव्यक्ति का उत्सव है. स्प्लैश 2025 को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि देशभर के बच्चों में अपार रचनात्मक क्षमता मौजूद है. युवा प्रतिभाओं को सीखने और अभिव्यक्ति का मंच देकर हम उन्हें बड़े सपने देखने और अपने रचनात्मक जुनून को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं.

ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को पेड वर्क में लाना होगा

इंदौर. ऐक्सिस बैंक की एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास अमीर बनने के लिए अब बहुत कम समय बचा है. अगर हमें देश को बूढ़ा होने से पहले आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना है, तो ज़्यादा से ज़्यादा महिलाओं का अच्छी नौकरियों और प्रोफ़ेशनल काम से जुड़ना बहुत ज़रूरी है. द मिसिंग हाफ : वुमेन एंड इंडिया 'ज़ ग्रोथ चैलेंज नामक इस रिपोर्ट में वैश्विक प्रमाणों, भारतीय डेटा के गहन विश्लेषण और 42 भारतीय शहरों में लगभग 11,000 कॉलेज-शिक्षित महिलाओं के प्रॉपरायटरी सर्वे पर आधारित है. रिपोर्ट का तर्क है कि 2050 तक 'विकसित भारत' का सपना हासिल करने के लिए आवश्यक लगभग 7% की विकास दर को 25 वर्षों तक बनाए रखने के लिए, कुल श्रमिक भागीदारी (वेतनभोगी कार्य में) को वर्तमान लगभग 47% से बढ़ाकर करीब 60% करना होगा. इस लक्ष्य को हासिल करने में महिलाओं की वेतनभोगी कार्य (पेड़ वर्क) में भागीदारी बेहद निर्णायक होगी. लॉन्च के बारे में, नीलकंठ मिश्रा, चीफ इकोनॉमिस्ट, ऐक्सिस बैंक और हेड, ग्लोबल रिसर्च, ऐक्सिस कैपिटल ने कहा जितना कम समय हमारे पास बचा है, हमें 'सभी हाथों की जरूरत है'. हमें श्रम की मांग बढ़ानी होगी, शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारना होगा.

म्यूचुअल फंड विकास में मप्र में इंदौर सबसे आगे

इंदौर. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने मध्य प्रदेश के म्यूचुअल फंड क्षेत्र में इंदौर के बढ़ते दबदबे को रेखांकित किया. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के अनुसार, जनवरी 2026 तक मध्य प्रदेश का कुल म्यूचुअल फंड एसेट अंडर मैनेजमेंट 1,25,645 करोड़ रुपए है, जो भारत के कुल 81,01,306 करोड़ एयूएम का लगभग 1.6% है. राज्य के भीतर इंदौर 35,490 करोड़ एयूएम के साथ अग्रणी निवेश केंद्र बनकर उभरा है. यह राज्य के कुल एयूएम का 28.25% योगदान देता है, जो प्रदेश के सभी शहरों में सबसे अधिक है.. म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या के मामले में भी इंदौर सबसे आगे है. शहर में 18,00,080 म्यूचुअल फंड फोलियो हैं, जो राज्य के कुल फोलियो का 19.7% हैं. सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) राज्य में अनुशासित निवेश का मुख्य आधार बने हुए हैं. राज्य के भविष्य को लेकर टिप्पणी करते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के मुख्य कार्यकारी वेंकट चालसानी ने कहा मध्य प्रदेश में म्यूचुअल फंड की बढ़त को रफ्तार देने में इंदौर की सबसे बड़ी भूमिका है. यहाँ के लोगों का व्यापारिक नजरिया, बढ़ता सर्विस सेक्टर और लोगों की बढ़ती आमदनी, लंबे समय तक निवेश करने के लिए बहुत अच्छा माहौल तैयार करते हैं. मध्य प्रदेश में 25,75,477 यूनिक निवेशक हैं, जिनमें 22.6% महिला निवेशक हैं.

एनएसई ने निफ्टी 50 के 30 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

इंदौर. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) ने आज निफ्टी 50 इंडेक्स के 30 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाया. निफ्टी 50 भारत का प्रमुख इक्विटी बेंचमार्क है और इसे दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इंडाइसेस में से एक माना जाता है. इस खास अवसर पर मुंबई स्थित एनएसई के एक्सचेंज प्लाज़ा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बाजार से जुड़े कई प्रमुख लीडर्स, निफ्टी 50 कंपनियों के प्रतिनिधि, रेगुलेटर्स और भारत के पूँजी बाजार से जुड़े प्रतिभागी शामिल हुए. इस समारोह में तुहिन कांत पांडे, चेयरमैन, सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) तुहिन कांत पांडे मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. वहीं, एस. गुरुमूर्ति, पब्लिक इंटेलेक्चुअल, लेखक और भारतीय रिजर्व बैंक के स्वतंत्र निदेशक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. इस मौके पर श्रीनिवास इंजेती, चेयरमैन, एनएसई और आशीषकुमार चौहान, एमडी एवं सीईओ, एनएसई भी उपस्थित रहे. इस मौके पर श्रीनिवास इंजेती, चेयरमैन, एनएसई, ने कहा पिछले तीन दशकों में निफ्टी 50 सिर्फ एक बाजार इंडेक्स भर नहीं रहा, बल्कि यह भारत की आर्थिक रफ्तार का मजबूत प्रतीक बन गया है.

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने नया लुक पेश किया

इंदौर. पर्नोड रिकार्ड इंडिया की रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने अपनी नई और अलग पहचान पेश की है, जो समझदारी से चयन करने की उसकी फिलॉसफी को और मजबूत करती है. यह नया लुक एक आकर्षक और ऊंचे डिजाइन के साथ पेश किया गया है. नए लुक में अब पहले से ज्यादा ऊंची और आकर्षक बोतल है, जो बेहद एलिगेंट दिखाई देती है. नए लुक के बारे में पर्नोड रिकार्ड इंडिया के जीएम-मार्केटिंग जॉयदीप बसुरॉय ने कहा रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की का यह नया और अलग डिजाइन उस हर बात को दर्शाता है जिसके लिए यह ब्रांड जाना जाता है- समझदारी से चयन, प्रामाणिकता और प्रगतिशील सोच. ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस के साथ हम हर स्तर पर उत्कृष्ट शिल्पकला और अलग पहचान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करते हैं- चाहे वह बेहतरीन ब्लेंड हो या नया और अभिनव डिजाइन. यह उन लोगों के लिए एक सम्मान है जो सोच-समझकर चुनाव करते हैं और अलग पहचान बनाने की कोशिश करते हैं.

स्टीलएज और चबसेफ्स के डिस्प्ले सेंटर का शुभारंभ

इंदौर. फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध ब्रांड गुनेबो ने मध्य भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए इंदौर में नया डिस्प्ले सेंटर शुरू किया है. इंदौर में स्थित यह सेंटर गुनेबो के भरोसेमंद ब्रांड्स स्टीलएज और चबसेफ्स के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस को क्षेत्र के व्यापारियों, ज्वेलर्स, वित्तीय संस्थानों और अन्य हाई-सिक्योरिटी जरूरतों वाले सेक्टर्स तक पहुंचाने का काम करेगा. इस डिस्प्ले सेंटर का उद्घाटन एचएन दुबे, रिटायर्ड डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट और अनिर्बान मुखुति, हेड मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एशिया, गुनेबो सेफ स्टोरेज द्वारा किया गया. इस लॉन्च कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर शरद गोयल और इंदौर के प्रमुख ज्वेलर्स भी उपस्थित रहे. इस अवसर पर अनिर्बान मुखुति ने कहा यह नया डिस्प्ले सेंटर ग्राहकों को हमारे स्टीलएज और चबसेफ्स ब्रांड्स को करीब से समझने का मौका देगा और उन्हें यह भी जानकारी प्रदान करेगा कि संपत्तियों की सुरक्षा के लिए ग्रेडेड और बीआईएस सर्टिफाइड सिक्योरिटी कितनी जरूरी है.

गैस एजेंसियों पर लगी लाइन, इंदौर में कमर्शियल गैस सिलेंडर पर रोक

होटल-रेस्टोरेंट पर असर, घरेलू उपभोक्ताओं को राहत

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिले में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक के बाद होटल और रेस्टोरेंट कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है. हालांकि प्रशासन का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई सामान्य रूप से जारी है और आम उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है.

शहर में त्यौहार और गैस किल्लत की खबरों से गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें लगना शुरू हो गई. इसका कारण यह है कि ऑनलाइन गैस बुकिंग कंपनियों द्वारा 27 दिन से पहले नहीं की जा रही है. इससे परेशान होकर गैस उपभोक्ता एजेंसियों के कार्यालय पहुंचकर गैस सिलेंडर की मांग और पर्ची जारी लगने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचने लगे है. आज भी शहर की कई गैस एजेंसियों पर टंकी के लिए उपभोक्ता खाली टंकी लेकर न सिर्फ पहुंचे, बल्कि गैस एजेंसियों के कार्यालय पर पर्ची बनाकर देने की मांग करने लगे. गैस एजेंसियों के कर्मचारी टंकी की पर्ची की आनाकानी करने लगे तो वहां पर उपभोक्ताओं ने चिल्ला चोट शुरू कर दी. इससे गैस एजेंसियों पर टंकी देने का दबाव बढ़ गया है और कर्मचारी परेशान हो रहे हैं.

गैस एजेंसियों को पहले ही मिल चुका था आदेश-गैस एजेंसियों के अनुसार कमर्शियल सिलेंडर नहीं देने का आदेश दो दिन पहले ही जारी हो चुका था. फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई केवल अस्पतालों को की जा रही है, जबकि होटल और रेस्टोरेंट को सप्लाई पूरी

तरह रोक दी गई है. गैस एजेंसी के मैनेजर ने बताया कि उनकी एजेंसी से हर महीने 422 किलो के 36 टैंक और 19 किलो के लगभग 1500 कमर्शियल सिलेंडर सप्लाई किए जाते थे. अब सप्लाई बंद होने से एजेंसी को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई पर कोई असर नहीं पड़ा है और वितरण पहले की तरह जारी है. उन्होंने बताया कि पहले जहां सिलेंडर 15 दिन में बुक हो जाता था, अब इसे 25 दिन बाद बुक किया जा सकेगा. डिलेवरी का समय लगभग पॉच दिन लग रहा हैं.

केवाईसी और तकनीकी समस्याएं भी बनी वजह-नाम न बताने की शर्त पर गैस एजेंसी संचालक ने बताया कि कई उपभोक्ताओं ने अभी तक केवाईसी अपडेट नहीं कराया है. इसके अलावा कई लोग मोबाइल या ऑनलाइन बुकिंग का उपयोग नहीं कर पाते, जिससे बुकिंग में समस्या आती है. इस व्यवस्था में सुधार की जरूरत है.

घरेलू उपभोक्ता बोले...

अहिल्या नगर में रहने वाली एक गृहिणी ने बताया कि गैस सिलेंडर की बुकिंग सामान्य तरीके से हो रही है और उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं आई। उन्होंने कहा कि घर में दो सिलेंडर होने से एक उपयोग में रहता है और दूसरा एडवांस में रखा रहता है, जिससे किसी तरह की परेशानी नहीं होती। इस बार सिलेंडर आने में दिन जरूर लगे

मनीष पुरी कॉलोनी के पास रहने वाली सोनू वर्मा ने बताया कि गैस एजेंसी के बुकिंग नंबर से बुकिंग नहीं हो पा रही थी। इसके कारण उन्हें गैस एजेंसी जाना पड़ा, जहां जाकर सिलेंडर बुक करवाना पड़ा। उन्होंने बताया कि पहले जहां एक दिन में सिलेंडर मिल जाता था, अब चार से पांच दिन का समय लग रहा है।

घरेलू के व्यवसायिक उपयोग पर कार्रवाई

शहर में खाद्य विभाग ने घरेलू गैस सिलेंडर के व्यवसायिक उपयोग पर कार्रवाई शुरू कर दी है. आज शहर के 35 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर छापामार सौ से ज्यादा घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए. कलेक्टर शिवम वर्मा ने घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और व्यवसायिक उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है. घरेलू गैस सिलेंडर का गलत उपयोग रोकने के लिए विशेष दलों का गठन किया है. खाद्य विभाग के तीनों दलों ने आज शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई की. करीब 35 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए 105 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं. जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी.

शहर में गैस की नहीं है कमी : कलेक्टर

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में घरेलू गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है. उपभोक्ताओं को उक्त ज्वलनशील पदार्थ की उपलब्धता पर घबराने के जरूरत नहीं है. यह बात आज कलेक्टर ने तेल कंपनियों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक करने के बाद कही है. कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज कार्यालय में गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक की. बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे. किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना नहीं करना पढ़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए.

घरेलू सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग पर सख्ती

जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने बताया कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है. श्री मारू ने बताया कि ऑयल कंपनियों द्वारा केवल इतना बदलाव किया गया है कि सिलेंडर की अगली बुकिंग का अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है. उपभोक्ताओं को बुकिंग के तीन दिन के भीतर डिलेवरी घर पर ही ओटीपी के द्वारा ही दी जाएगी. बैठक में बताया गया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित है. होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को अस्थाई रूप से डीजल भट्टी, इंडक्शन, इंफ्रारेड इलेक्ट्रिक कॉइल जैसे वैकल्पिक साधनों का उपयोग करने भी कहा है.

कस्टूमर केयर पर कर सकते हैं शिकायत

यदि किसी उपभोक्ता को भारत गैस, इंडेन गैस या एचपी गैस के डीलर द्वारा सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो इसकी शिकायत संबंधित कंपनी के कस्टमर केयर नंबरों पर की जा सकती है. भारत गैस हेल्पलाइन नंबर: 1800-22-4344 (टोल फ्री) इंडेन गैस कस्टमर केयर नंबर: 1800-2333-555 (टोल फ्री) एचपी गैस कस्टमर केयर नंबर: 1800-2333-555 (टोल फ्री) नंबरों पर कॉल कर उपभोक्ता शिकायत कर सकते हैं.

कालाबाजारी नहीं करने की चेतावनी

कलेक्टर वर्मा ने गैस एजेंसियो के प्रतिनिधियों से घरेलू उपभोक्ताओं को समय पर डिलीवरी करने और कालाबाजारी नहीं होने की चेतावनी दी. होटल या अन्य व्यवसायों को घरेलू सिलेंडर दिए जाने की शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. बैठक में शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों के लिए ऑयल कंपनी द्वारा दी गई छूट अनुसार कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति सुचारू बनी रहने चाहिए. साथ ही, शहर में जहां पीएनजी पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां होटल और रेस्टोरेंट को तुरंत कनेक्शन उपलब्ध करने के निर्देश भी दिए गए हैं. बैठक में बीपीसीएल, एचपीसीएल, आईओसी, अवन्तिका के सेल्स अधिकारी, गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि, एचपीसीएल गैस प्लांट मांगलिया के मैनेजर तथा अधिकारी उपस्थित थे.

घबराने की जरूरत नहीं

प्रशासन और गैस एजेंसियों का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई सामान्य है और आम नागरिकों को घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि कमर्शियल सिलेंडर पर लगी रोक से होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था तलाशनी पड़ रही है।

होटल और रेस्टोरेंट कारोबारियों की बढ़ी चिंता

इंदौर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सुरी ने बताया कि शहर में लगभग 10 से 12 हजार होटल रूम, 350 से 500 होटल और 2000 से अधिक रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं. इन सभी में कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग होता है. अगर कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई बंद रहती है तो सबसे ज्यादा परेशानी बाहर से आने वाले पर्यटकों को होगी. इसके अलावा कुछ ही दिनों में शादियों का सीजन शुरू होने वाला है और इंदौर में रोजाना करीब 200 से 300 शादियां होती हैं. ऐसे में कार्यक्रमों पर भी इसका असर पड़ सकता है. श्री सूरी ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी चर्चा की है. मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इस विषय में जानकारी लेने और किसी भी प्रकार की आपदा जैसी स्थिति नहीं आने देने का आश्वासन दिया है.

56 दुकान ने दिखाई नई सोच

जहां देश के कई शहरों में व्यापारी और रेस्टोरेंट संचालकों ने विरोध शुरू कर दिया है, वहीं इंदौर में अलग ही पहल देखने को मिली. 56 दुकान संगठन के अध्यक्ष कुंजन शर्मा ने बताया कि उनके पास एक-दो दिन का गैस स्टॉक है। इसके बाद वे इंडक्शन कुकिंग का उपयोग शुरू करेंगे. साथ ही सोलर एनर्जी की ओर भी कदम बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि इस संकट का समाधान निकाला जा सके और नई सोच के साथ आगे बढ़ा जा सके.

नगर निगम अब जमीन बेचकर करेगा पैसों के व्यवस्था

फूटी कोठी, नेहरू पार्क, लालाराम नगर व सिरपुर के पास की जमीन करेंगे नीलाम

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर नगर निगम अब आर्थिक तंगहाली से उबरने के लिए नीलामी के द्वारा जमीन बेचकर पैसों की व्यवस्था करेगा. इसके लिए नगर निगम द्वारा आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों की जमीन की नीलामी करने का प्रस्ताव रखा जा रहा है और जिन जमीनों के नीलामी की जाएगी, उनकी बाजार में कलेक्टर गाइड लाइन से कीमत 30 करोड़ रुपए के आसपास है.

नगर निगम के एमआईसी में आज फूटी कोठी, सिरपुर लालाराम नगर और नेहरू पार्क के पास की जमीन को नीलामी से बेचने का प्रस्ताव रखा जा रहा है. मास्टर प्लान में इन जमीनों का उपयोग अमोद प्रमोद तथा आवासीय है. ध्यान रहे कि इंदौर

नगर निगम की आर्थिक स्थिति पिछले कई सालों से बहुत खराब चल रही है. स्थिति ऐसी है कि नगर निगम के पास अपने कर्मचारियों को वेतन बांटने के लिए भी पैसा नहीं होता है. निगम के द्वारा आए दिन बैंक से ओवरड्राफ्ट के माध्यम से पैसा लेकर अपना काम चलाया जा रहा है. नगर निगम के द्वारा ठेकेदारों से कराए गए विकास कार्यों का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है. ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने के कारण उनके द्वारा नगर निगम के टेंडर में भाग लेना बंद कर दिया गया है. अब स्थिति यह है कि नगर निगम द्वारा विकास कार्य के लिए जारी टेंडर में कोई ठेकेदार भाग नहीं ले रहा हैं. उक्त स्थिति से उभरने के लिए नगर निगम द्वारा शहर में चार अलग-अलग स्थान पर मौजूद जमीन को नीलामी से बेचने का काम शुरू कर रहा है.

इन जमीनों की नीलामी की जाएगी

मध्य प्रदेश शासन अचल संपत्ति अंतरण नियम 2016 संशोधित 2021 और 2023 के नियम पांच एक में सक्षम प्राधिकारियों को अंतरण की शक्ति दी गई है. शासन द्वारा प्रदत्त नियमों के तहत नगर निगम नेहरू पार्क तरुण पुष्कर के पीछे की खसरा नंबर 873 की 743 वर्ग मीटर जमीन, जिसका उपयोग अमोद प्रमोद है. गाइडलाइन 58000 प्रति वर्ग मीटर है.

यातायात और अतिक्रमण को लेकर हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में बीआरटीएस और यातायात के लिए अतिक्रमण हटाने को हाईकोर्ट ने कलेक्टर और निगम आयुक्त को निर्देश दिए हैं. हाईकोर्ट ने कलेक्टर को प्रोटोकाल नियम भी प्रस्तुत करने का कहा है.

हाईकोर्ट में आज जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक कुमार अवस्थी की डबल बेंच में यातायात, बीआरटीएस हटाने, अतिक्रमणों एवं वीआईपी मूवमेंट प्रोटोकॉल के संबंध में सुनवाई हुई. वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया के याचिका पर हाईकोर्ट ने बीआरटीएस बस स्टॉपों को हटाने की प्रगति, अवैध अतिक्रमण, अवैध धार्मिक संरचनाएँ, यातायात जाम की समस्या तथा तथाकथित वीआईपी मूवमेंट के लिए मनमाने ढंग से लागू किए जाने वाले शून्य-यातायात (ज़ीरो ट्रैफिक) प्रोटोकॉल जैसे विषय पर सुनवाई की. कलेक्टर और निगम आयुक्त को मुख्य मार्गों पर रेहड़ी पटरी वालों का अवैध अतिक्रमण और धार्मिक स्थलों को हटाने के निर्देश दिए. नगर निगम ने सुनवाई में बताया कि बीआरटीएस से 3 बस स्टॉप हटा दिए है और पूरे हटाने 40 दिन का समय लगेगा.

क्षेत्रवार कार्रवाई करें-हाईकोर्ट ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे ऐसे सभी गणमान्य व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत करें, जो वास्तव में ऐसे प्रोटोकॉल के विधिसम्मत अधिकारी हैं. साथ ही यह भी कहा कि जो व्यक्ति उक्त श्रेणी में नहीं आते, उन्हें ऐसी शून्य-यातायात सुविधा प्रदान नहीं की जानी चाहिए. हाईकोर्ट ने कलेक्टर एवं निगम आयुक्त को विभिन्न यातायात संबंधी मुद्दों पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रवार (ज़ोनल) कार्रवाई करने के आदेश दिए.

मेडिकल कॉलेज छात्रावासों में बढ़ेंगी सुविधाएँ

रख-रखाव के लिए नई वित्तीय व्यवस्था लागू

नव भारत न्यूज

इंदौर. मेडिकल कॉलेज के छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं को अब बेहतर सुविधाएँ मिलने जा रही हैं. छात्रावासों के रख-रखाव और व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए चिकित्सा शिक्षा आयुक्त के प्रस्ताव को कार्यकारी परिषद की बैठक में मंजूरी मिल गई है. इसके तहत छात्रावासों में आने वाली छोटी-छोटी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नई वित्तीय व्यवस्था लागू की जाएगी.

मेडिकल कॉलेज से जुड़े कुल 17 छात्रावासों में एमबीबीएस और पीजी के कई छात्र-छात्राएँ रहते हैं. अब तक बाथरूम की मरम्मत, मेस व्यवस्था, स्वच्छता तथा छोटे सिविल और विद्युत कार्यों में देरी के कारण विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था. मुख्य छात्रावास अधिकारी को मिलने वाली 40,000 रुपए की इम्प्रेस्ट मनी वर्तमान जरूरतों के हिसाब से कम मानी जा रही थी.

हर छात्रावास के लिए मिलेगी अग्रिम राशि-नई व्यवस्था के तहत अब सभी छात्रावासों के लिए लगभग 4 लाख रुपए प्रति माह अग्रिम राशि उपलब्ध कराई जाएगी. इससे छात्रावासों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण देने में मदद मिलेगी.

ब्लॉक वार्डन को भी मिलेगी इम्प्रेस्ट मनी

अब प्रत्येक ब्लॉक वार्डन को 20,000 रुपए की इम्प्रेस्ट मनी दी जाएगी, जिससे वे अपने स्तर पर छोटे-मोटे मरम्मत कार्य तुरंत करवा सकेंगे. इससे छात्र-छात्राओं को छोटी समस्याओं के समाधान के लिए लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया का इंतजार नहीं करना पड़ेगा. वहीं मुख्य छात्रावास अधिकारी को पहले की तरह ?40,000 की राशि मिलती रहेगी.

विद्यार्थियों को बेहतर माहौल देने का प्रयास

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घंघोरिया ने कहा कि मेडिकल छात्र भविष्य के डॉक्टर हैं और छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी संस्थान के ब्रांड एंबेसडर भी होते हैं. उनके साथ माता-पिता, समाज और संस्थान की कई उम्मीदें जुड़ी होती हैं. कॉलेज का प्रयास है कि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ और सकारात्मक वातावरण मिले, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे सकें.

एक नजर में — मालवा क्वींस क्लब द्वारा रंगपंचमी एवं महिला दिवस का आयोजन

सदस्याओं ने रंग, संगीत, नृत्य का लिया आनंद

इंदौर. मालवा क्वींस क्लब द्वारा चोखी ढाणी में रंगपंचमी एवं महिला दिवस का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. क्लब की सदस्याओं ने रंग, संगीत, नृत्य और मार्च में जन्मी क्वींस के बर्थडे सेलिब्रेशन के साथ कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया.

श्रीमती किरन जीरेटी ने बताया कि इस अवसर पर कई मनोरंजक गतिविधियाँ महिला दिवस के उपलक्ष में और होली के लिए रंगीन खेल आयोजित किए गए. कार्यक्रम का संचालन कुंजन चाबा ने किया, जिन्होंने महिला दिवस के महत्व पर भी प्रकाश डाला. इस आयोजन को सफल बनाने में सुनीता मंत्री, श्रीमती ढिल्लों एवं अल्पा मेहता का विशेष सहयोग रहा. इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली श्रीमती सुलोचना, सुषमा, ऊषा मिश्रा, सुनयना, अलका, सुमन, पूनम, रेखा रावल, स्मृति, दीपा जैन आदि 45 क्वींस थी. किरण जिरेटी गेम में प्राइज जीती किरण जीरेटी ने

पानी बचाने का संदेश भी दिया. रंगों की उमंग और नारी शक्ति के उत्सव के साथ यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार बन गया.